UP निवेश का महाकुंभ
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023

मोटे अनाज से बने व्यंजन परोसे गए

लखनऊ। समिट में अतिथियों को मोटे अनाज से बने व्यंजन भी परोसे गए। मुख्यमंत्री ने मेहमानों के साथ दोपहर का भोजन किया। इस दौरान बाजरे की खिचड़ी, खीर के अलावा बाजरे की टिक्की आदि भी अतिथियों को खूब भाई। इसके अलावा काला नमक चावल भी परोसा गया। सावां, कोदो भी भोज का हिस्सा रहे। सरकार लगातार मोटे अनाज को बढ़ावा दे रही है जिसका असर इस आयोजन में भी दिखा। ब्यूरो

धनवर्षा

33 लाख करोड़ का होगा निवेश

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 18,645 एमओयू साइन हुए, 92.50 लाख को मिलेगा रोजगार

प्रदेश के वैश्विक निवेशक महाकुंभ (ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) में जमकर धन वर्षा हुई। तीन दिनी इस आयोजन के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 32.92 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए जाने का एलान किया। इस निवेश के धरातल पर उतरने पर 92.50 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। समिट के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रमुख उद्योगपतियों सहित 10 हजार कारोबारी प्रतिनिधियों के बीच इसकी घोषणा की।

75 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एक लाख लोगों को देंगे रोजगार : अंबानी

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भी दी धार कहा-पांच वर्ष में दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा यूपी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश का स्वर्णिम युग शुरू हुआ है। चार वर्षों के दौरान कंपनी यूपी में जियो स्कूल, जियो एआई डॉक्टर, रिटेल चेन और बायो एनर्जी के क्षेत्र में 75 हजार करोड़ रुपये निवेश करेगी। इससे एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। आगामी पांच वर्ष में यूपी एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जीआईएस-23 को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी दस गीगावॉट अक्षय ऊर्जा प्लांट लगाएगी। बायो एनर्जी बिजनेस से यूपी के किसानों को बड़ा फायदा होगा। अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी बनेंगे। इससे ठोस कचरा प्रबंधन में सुधार और पर्यावरण संरक्षण भी होगा। उन्होंने कहा कि गांवों और छोटे शहरों में किफायती शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के लिए जियो प्लेटफार्म के जरिये दो पायलट प्रोजेक्ट जियो-स्कूल और जियो-एआई-डॉक्टर भी शुरू किए जाएंगे। कृषि और गैर कृषि उत्पादों की सोर्सिंग को बढ़ाया जाएगा। इससे किसानों, शिल्पकारों और छोटे व मझोले उद्योगों को लाभ होगा।

लखनऊ वृन्दावन योजना में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहुंचे उद्योगपति मुकेश अंबानी।

नमामि गंगे प्रोजेक्ट में करेंगे सहयोग

मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन नमामि गंगे प्रोजेक्ट में सहयोग करेगा। कहा कि रिलायंस ने 2018 में कोरोमंडल साझेदार की तरह प्रदेश में 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश से अपनी यात्रा शुरू की थी। इससे करीब 80 हजार लोग रोजगार पा रहे हैं।

पुण्य की नगरी है लखनऊ

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन ने निवेश महाकुंभ में प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को भी सराहा। जीआईएस में शामिल होने को खुद का सौभाग्य मानते हुए कहा कि लखनऊ पुण्य की नगरी है, लक्ष्मण की नगरी है। प्रभु रामचंद्र की भूमि है और गंगा यमुना सरस्वती के संगम की भूमि है।

जेवर में बनाएंगे मल्टीमॉडल एयर कार्गो : चंद्रशेखरन

टाटा संस के चेयरमैन ने कहा- यूपी की सभी कंपनियों का किया जा रहा विस्तार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के साथ मिलकर मल्टीमॉडल एयर कार्गो स्थापित करेगा। साथ ही उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों से देशभर के प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने यह घोषणाएं जीआईएस-23 के दौरान की।

चंद्रशेखरन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था और मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित हुआ है। इस प्रदेश में कंपनी का लंबा इतिहास रहा है। यहां समूह की 18 कंपनियों में करीब 50 हजार लोग काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निवेश फ्रेंडली माहौल के बाद कंपनी यूपी में अपनी सभी कंपनियों में विस्तार कर रही है। टीसीएस के माध्यम से नोएडा में भारी निवेश कर रहे हैं।

चेयरमैन ने कहा कि भारत के साथ यूपी की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है। जब भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर की होगी तो यूपी की अर्थव्यवस्था भी एक ट्रिलियन डॉलर की होगी। जब भारत में अर्थव्यवस्था 10 ट्रिलियन डॉलर की होगी तो यूपी की अर्थव्यवस्था भी दो ट्रिलियन डॉलर होगी। 2047 में भारत की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर की होगी तो यूपी की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर होगी। उन्होंने कहा कि यह केवल अर्थव्यवस्था का विकास नहीं है बल्कि 360 डिग्री डेवलपमेंट है। उन्होंने कहा कि देश में अमृतकाल की शुरुआत हुई है। बजट में ढांचागत विकास के लिए दस लाख करोड़ रुपये का प्रावधान कर इसकी मजबूत नींव रखी गई है।

डिक्सन ग्रुप यूपी में स्थापित करेगी मोबाइल और रेफ्रीजरेटर फैक्टरी

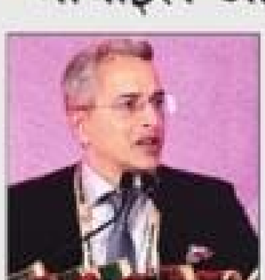

लखनऊ। डिक्सन कंपनी के संस्थापक सुनील वचानी ने कहा है कि उनकी कंपनी यूपी में मोबाइल, रेफ्रिजरेटर और स्मार्ट वॉच निर्माण का प्लांट स्थापित करेगी। इससे करीब दस हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहुंचे वचानी ने कहा कि उनकी कंपनी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तीन नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगी। इनमें न केवल टीवी, मोबाइल, एलईडी बनाए जाएंगे, बल्कि दुनिया भर के लिए डिजाइन भी किए जाएंगे। उनकी कंपनी 1.20 मिलियन रेफ्रिजरेटर प्रति वर्ष बनाएगी। बताया कि 120 बिलियन डालर बिजली उपकरण में से 80 बिलियन के उपकरण भारत में बनते हैं। ब्यूरो

आदित्य बिड़ला समूह करेगा 25 हजार करोड़ का निवेश

सीमेंट, केमिकल, फाइनेंस सर्विस और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में होगा निवेश

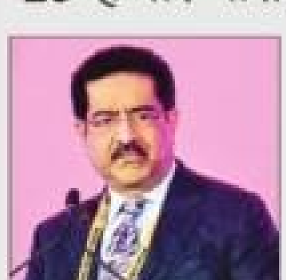

लखनऊ। आदित्य बिड़ला ग्रुप यूपी में अगले तीन-चार वर्ष में 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा। ग्रुप यूपी में सीमेंट, केमिकल, मेटल, फाइनेंस सर्विस और अक्षय ऊर्जा के प्लांट लगाएगा। ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इसकी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि उनके ग्रुप की सात अलग-अलग कंपनियों ने यूपी में 40 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे 30 हजार लोगों को रोजगार मिला है। भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 2030 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी पर 140 करोड़ भारतवासियों का अटूट विश्वास है। अमृतकाल में भारत की वैश्विक समृद्धि बढ़ेगी। ब्यूरो

वाराणसी में गंगा सफाई के लिए प्रयोगशाला बनाएगा डेनमार्क

डेनमार्क ने किया एक हजार करोड़ निवेश का करार

लखनऊ। डेनमार्क के सहयोग से गंगा और इसकी सहायक नदी वरुणा को निर्मल बनाया जाएगा। इसके लिए डेनमार्क के सहयोग वाराणसी में गंगा नदी पर रिवर लैबोरेटरी (प्रयोगशाला) बनाई जाएगी। समिट में डेनमार्क के साथ हुए विशेष सेशन में प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने डेनमार्क के वैश्विक जलवायु नीति के मंत्री डैन जॉर्गेंसन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के तहत डेनमार्क इस प्रोजेक्ट में एक हजार करोड़ रुपये निवेश करेगा।

इस मौके पर जॉर्गेंसन ने कहा कि डेनमार्क ने ऊर्जा के क्षेत्र में बेहतर काम किया है। 2045 तक हमारा प्रयास कार्बन उत्सर्जन को शून्य स्तर पर लाना है। तकनीक के क्षेत्र में भारत भी अच्छा काम कर रहा है। दोनों देश मिलकर इस दिशा में बेहतर काम करेंगे। कृषि और ऊर्जा के साथ ही उन्होंने डायबिटीज के खात्मे के लिए एक साथ मिलकर काम करने की भी बात कही।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भारत और डेनमार्क के बीच रिश्ते कई दशक पुराने हैं। कोविड के दौरान भी दोनों सरकारों के बीच सहयोग बना रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत डेनमार्क के साथ ग्रीन पार्टनरशिप के माध्यम से पर्यावरण को बचाने के लगातार काम कर रहा है। इसके साथ ही एनर्जी, फूड और लाइफसाइंस जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश डेनमार्क के साथ मिलकर काम करेगा। ब्यूरो

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने डेनमार्क के जलवायु नीति मंत्री डैन जॉर्गेंसन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। -बिज़नेस

ऊर्जा क्षेत्र में हुए सात लाख करोड़ रुपये के एमओयू

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि बिना पर्याप्त ऊर्जा के प्रदेश में निवेश लाने का सपना पूरा नहीं हो सकता। खासकर गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों को विकसित करके ही सही मायनों में देश और प्रदेश का विकास संभव है। समिट में करीब 33 लाख करोड़ रुपये में से सात लाख करोड़ के एमओयू केवल ऊर्जा क्षेत्र में हुए हैं। उन्होंने यह बातें समिट के दौरान सस्टेनेबल डेवलपमेंट थ्रू रिन्यूएबल एनर्जी विषयक सत्र में कहीं।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि विकास के लिए ऊर्जा जरूरी है, लेकिन हमको पर्यावरण की चिंता भी करनी है। गैर परंपरागत ऊर्जा के क्षेत्र में भारत विश्व में अभी चौथे स्थान पर है। इस क्षेत्र में निवेश का यह सही समय है। इस क्षेत्र में नए इनोवेशन भी हो रहे हैं। भारत सरकार में ऊर्जा मंत्रालय के सचिव आलोक कुमार ने कहा कि आने वाले समय में गैर परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन तीन गुना बढ़ाना है। साथ ही, कार्बन उत्सर्जन में 45 फीसदी की कमी करनी है। हमारे उद्योग, शहर और गांव विकसित हो रहे हैं। इनमें बिजली की खपत को गैर परंपरागत स्रोतों से पूरा करना होगा। इसके लिए जरूरी संयंत्रों के कारखाने भी लगाने होंगे ताकि विदेश पर निर्भरता न रहे। ब्यूरो

इन्वेस्टर्स समिट में गैर परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने के लिए गहन मंथन

ये एमओयू हुए

- एनटीपीसी : रिन्यूएबल एवं थर्मल- 70 हजार करोड़
- अवाडा ग्रीन वेंचर : ग्रीन हाइड्रोजन- 22 हजार करोड़
- सीएसई ग्रुप : पंप स्टोरेज- 17 हजार करोड़
- ग्रीनको ग्रुप : ग्रीन हाइड्रोजन- 40 हजार करोड़

डेढ़ लाख करोड़ के निवेश से लखनऊ, नोएडा व कानपुर में बनेंगे सेमीकंडक्टर

आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 3.30 लाख करोड़ रुपये के हुए 145 एमओयू

लखनऊ। दुनियाभर में सेमीकंडक्टरों की कमी अभी बनी है। इससे गाड़ियों के कारोबार प्रभावित हैं। ऐसे में यूपी के लिए सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बाजी मारने का यह सुनहरा अवसर है। इसे ध्यान में रखकर लखनऊ, नोएडा व कानपुर में सेमीकंडक्टरों के निर्माण के लिए संभावनाएं तलाशने का काम शुरुआत की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में किया गया। प्रदेश में 3.30 लाख करोड़ के 145 एमओयू आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए हैं। इसमें डेढ़ लाख करोड़ रुपये सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में निवेश होंगे।

'यूपी : डिजाइनिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' विषय पर विचार विमर्श के दौरान आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि सेमीकंडक्टर इकाइयों में निवेश के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए आउटरीच प्रोग्राम चलाए गए हैं, तमाम प्रस्ताव आए हैं, जिससे रोजगार बढ़ेगा और यूपी के टैलेंट को बाहर नहीं जाना होगा। वहीं इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन पंकज महेंद्रू ने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर तक दस हजार करोड़ मोबाइल निर्यात किए गए थे। अब 75 हजार करोड़ मोबाइल निर्यात करने का लक्ष्य है। ब्यूरो

यूपी में आपका निवेश पूरी तरह से सुरक्षित

लखनऊ। केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि यूपी शानदार राज्य है और यहां शानदार सीएम हैं। 24 करोड़ आबादी वाले इस प्रदेश में पर्यटन की असीमित संभावनाएं हैं। बेहतर रेल, हवाई, सड़क, जल परिवहन की कनेक्टिविटी के अलावा विश्व स्तर की अवस्थापना सुविधाएं हैं। बेहतर कानून व्यवस्था के साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति है। यूपी में आपका निवेश पूरी तरह से सुरक्षित है।

'टूरिज्म- लेवरेजिंग द कल्चरल हेरिटेज फॉर टूरिज्म इन मार्डन एंड डेवलपिंग यूपी' विषयक चर्चा के दौरान प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया अब तक प्रदेश में 33 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं। अकेले पर्यटन विभाग ने 01 लाख 17 हजार करोड़ के एमओयू हस्ताक्षर किए हैं। इससे लगभग 4 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में आए विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने साझा की योजनाएं

कामकाजी माहौल, सरकार पर एतबार, यूपी में इसलिए कर रहे कारोबार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उप्र ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में भारत और दूसरे देशों से आए उद्योगपति खासे उत्साहित नजर आए। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस समय यूपी में काम करने का माहौल है, सरकार पर विश्वास है। यही कारण है कि वे यूपी में निवेश कर रहे हैं। यह निवेश न केवल इस प्रदेश को, बल्कि उनके खुद के कारोबार को नया आसमान दे सकता है।

बुर्ज खलीफा जैसे टॉवर यूपी में बनाने को इच्छुक

उत्तर प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर विशेष काम हो रहा है। यही कारण है कि निवेशक आ रहे हैं। हम बुर्ज खलीफा जैसे टावर यूपी में बनाने के इच्छुक हैं। इसी में हमारी कंपनी काम करती है। इस समिट में हम भी निवेश कर रहे हैं। सरकार आमंत्रित भी कर रही है और बेहतर माहौल भी दे रही है तो यहां काम क्यों न किया जाए।

– अमित शर्मा, इंडिया हेड मेट्रो ग्लोबल लंदन।

चार साल में 4.5 लाख किसानों को जोड़ने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय की अपार संभावना है। कानपुर और वाराणसी में बड़े प्लांट लगाए हैं, तीसरा प्लांट बनाने में लगे रहे हैं। इससे 14 लाख लीटर दूध प्रतिदिन पहुंचाएंगे। 1.75 लाख किसान इससे जोड़ दिए गए हैं। लक्ष्य है कि 4.50 लाख किसानों को अगले चार सालों में जोड़ दें। 2500 करोड़ रुपये का दूध तैयार खरीदने का लक्ष्य तय गया है। सरकार साथ है तो हम भी यहां निवेश को आगे आ रहे हैं।

– जयन एस मेहता, एमडी अमूल।

नोएडा में इंटीग्रेटेड प्लान पर कर रहे काम

वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र में यूपी में बड़ी संभावना है। यूपी में इस समय काफी निवेशक आ रहे हैं। हम भी यहां निवेश कर रहे हैं। नोएडा में इंटीग्रेटेड प्लान पर काम किया जा रहा है। जब सरकार इस तरह की योजनाओं पर काम करने की इच्छुक है तो फिर निवेशक आते ही हैं। यह अच्छी शुरुआत है।

– हर्ष मेहरोत्रा, सीईओ ब्लू प्लेनेट विकास प्राइवेट लि. सिंगापुर।

सीतापुर के आसपास एक नया सैटअप जल्द

हम पहले भी इन्वेस्टर्स समिट में शामिल हुए थे, इस बार माहौल अलग है। इस समय प्रदेश में जहां उद्योगों के लिए कच्चा माल आसानी से मिल रहा है तो वहीं बेहतर नेटवर्क भी खड़ा हो रहा है। यही कारण है कि हम इस बार भी बड़ा निवेश यूपी में कर रहे हैं। हमारा निवेश कैम डिस्टलरी में है, इससे यहां लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जल्द ही सीतापुर के आसपास इस क्षेत्र में एक नया रोजगार सेटअप विकसित होगा।

– अमर सिन्हा, सीईओ, रेडिको खेतान।

डाटा सैंटर में 3000 करोड़ निवेश की योजना

यूपी इस समय डाटा सैंटर का हब बनता जा रहा है। तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर यहां डाटा सैंटर विकसित करना चाहते हैं। इसके लिए निवेश करने की तैयारी है। न केवल हमारी, बल्कि हमसे जुड़ी अन्य कई कंपनियां भी यूपी में निवेश करने को इच्छुक हैं। अब यूपी बदल रहा है।

– हरजीत सिंह, एमडी चेयरमैन एक्सक्लूजिव सर्विसेज।